Youth & Women
खेल • युवा • महिला • संस्कृति • समाज

एआई, आईटी से मजबूत होगी परीक्षा-शिक्षा प्रणाली : राज्यपाल

उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय में एआई और आईटी के प्रयोग पर हुआ मंथन

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) से राज्य के सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों की शिक्षा-परीक्षा प्रणाली मजबूत होगी। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विवि में आयोजित सेमिनार में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल से वानिवृत्त गुरमीत सिंह ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि तकनीकी के प्रभाव से उच्च शिक्षा में क्रांति लाई जा सकती है।

बुधवार को तकनीकी विवि सभागार में आयोजित सेमिनार में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी के प्रभावी उपयोग पर मंथन हुआ। इसमें सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के साथ ही तीन निजी विवि के अधिकारियों ने भी शिरकत की। सभी विवि के कुलपतियों ने अपने सिस्टम में डिजिटल तकनीकी के इस्तेमाल पर प्रकाश डाला।

राज्यपाल ने कहा कि डिजिटल तकनीकी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा में एक क्रांति लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी प्रत्येक चुनौती का समाधान है, जिसका उपयोग टर्निंग प्वाइंट और गेम चेंजर साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, परीक्षा प्रणालियों को हर एक स्तर पर मजबूत करने के साथ-साथ मूल्यांकन प्रणाली में पूर्ण निष्पक्षता और पारदर्शिता लाई जा सकती है।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विवि में संबोधित करते राज्यपाल गुरमीत सिंह। संवाद

'इंटेलिजेंस आधारित प्रणालियों को सर्वसुलभ बनाएं विवि'

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में तकनीकी के उपयोग से जहां कार्यकुशलता में वृद्धि होगी, वहीं पारदर्शिता भी बढ़ेगी। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि प्रत्येक विश्वविद्यालय ने तकनीकी के क्षेत्र में क्षमता अनुसार काम किए हैं। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय डिजिटल व्यवस्थाओं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रणालियों को सर्वसुलभ बनाने की दिशा में आगे बढ़ें। कहा कि आज के सेमिनार के माध्यम से राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी को बढ़ाने के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को बल मिलेगा।

सेमिनार में नैक के पूर्व निदेशक प्रो. एएन राय ने उच्च शिक्षा में मूल्यांकन और मान्यता की भूमिका से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि देश में शिक्षा को निशुल्क नहीं किया जा सकता बल्कि महंगी गुणवत्ताहीन शिक्षा की जगह सस्ती गुणवत्तापरक शिक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है।

इस मौके पर सचिव राज्यपाल रविनाथ रमन, तकनीकी विवि कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, मुक्त विवि कुलपति डॉ. ओपीएस नेगी, श्रीदेव सुमन विवि कुलपति प्रो. एनके जोशी, जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि कुलपति डॉ. मनमोहन चौहान, आयुर्वेद विवि कुलपति प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, संस्कृत विवि कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, एचएनबी मेडिकल विवि कुलपति प्रो. हेमचन्द्र, कुमाऊं विवि कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत, दून विवि कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, औद्यानिकी एवं वानिकी विवि कुलपति प्रो. परविंदर कौशल, उत्तरांचल विवि कुलपति प्रो. धर्मबुद्धि मौजूद रहे।